संख्या 11011/1(बी)/2016-हिंदी
भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय
(हिंदी अनुभाग)
*****

श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग,
नई दिल्ली, दिनांक: 02 सितम्बर, 2016.

सेवा में,

विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों/उपक्रमों के प्रमुख।

विषय:- हिंदी दिवस (14 सितम्बर 2016) के अवसर पर माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से अपील।

महोदय,

हिंदी दिवस (14 सितम्बर, 2016) के अवसर पर माननीय विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से अपील की प्रति संलग्न है। यह अपील विद्युत मंत्रालय की वेबसाइट www.powermin.nic.in पर दाईं ओर 'हिंदी पखवाड़ा' लिंक पर भी उपलब्ध है।

अनुरोध है कि अपनी सभी परियोजनाओं/कार्यालयों आदि को भी यह अपील भेजने की कृपा करें।

3750
5/9/16

02/9/16
(डॉ. आर.सी. शर्मा)
संयुक्त निदेशक (रा.भा.)

प्रतिलिपि:- विद्युत मंत्रालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी।

का.को.
2251
6/9/16

स०नि०/ व० अनु० (राजभाषा)

6/9/16
कृपया आवश्यक कार्यवाही हेतु

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

विद्युत, कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं खान
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge)
for Power, Coal, New & Renewable Energy and Mines
Government of India

अपील

संविधान सभा ने गहन विचार-विमर्श के बाद 14 सितंबर, 1949 को सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया था कि स्वतंत्र भारत की अपनी एक राजभाषा होगी जो देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी होगी। देवनागरी लिपि एक पूर्ण वैज्ञानिक लिपि है।

राष्ट्र की प्रगति में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यद्यपि हमारा देश बहुभाषी एवं बहु-सांस्कृतिक है, तथापि, इसकी एकता अनुपम है। विभिन्न संस्कृतियों, विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न बोली-भाषाओं के बीच कश्मीर से कन्याकुमारी तक हिंदी भाषा एक सेतु का कार्य करती है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने आजादी के आंदोलन की भावना को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए हिंदी भाषा को जन जागृति का आधार बनाया था। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा था कि "अपने व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।" गांधी जी की यह बात आज भी उतनी ही सच है जितनी आजादी के आंदोलन के समय थी।

देश के लिए बनाई जा रही नीतियाँ, चलाए जा रहे कार्यक्रमों की सफलता एवं उपलब्धियाँ इस बात पर निर्भर करती हैं कि उनकी जानकारी आम जनता तक पहुँचे और देश के अंतिम व्यक्ति को उसका लाभ मिले। यह तभी संभव है जब हमारा अधिक से अधिक राजकाज जनता की भाषा में हो।

विद्युत मंत्रालय और इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों से मेरा आग्रह है कि पत्र व्यवहार, नोटिंग/ड्राफ्टिंग में सहज, सरल हिंदी भाषा का प्रयोग करते हुए राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग में अपना सहयोग प्रदान करें। हिंदी को अनुवाद की भाषा न बनाएं बल्कि हम बातचीत में जिस प्रकार सहज हिंदी का प्रयोग करते हैं उसी प्रकार अपने सरकारी कामकाज में भी सरल और सहज हिंदी का ही प्रयोग करें।

सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

नई दिल्ली
दिनांक: 14 सितंबर, 2016

Shram Shakti Bhawan, New Delhi-110 001 Phone : +91-11-23717474, 23710411, Fax : +91-11-23710065
E-mail : piyush.goyal@nic.in, Website : www.piyushgoyal.in